शासकीय महामाया महाविद्यालय

रतनपुर, 495442

जिला- बिलासपुर (छ.ग.)

Website: www.gmcratanpur.ac.in; Email: gmc.covidcompt@gmail.com , Mob. **9981633869**

रतनपुर दि. 25-04-2020

महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों के लिए

लॉक डाउन के अपने अनुभवों को लेख बद्ध करने व ऑनलाइन साझा करने का आव्हान

आत्मीय विद्यार्थियों,

नमस्कार। विश्वव्यापी महामारी कोरोना के संक्रमण से बचाव हेतु हम सभी शासन एवं स्वास्थ्य विभाग के निर्देशों का पालन करते हुए स्वस्थ होंगे। महामारी से पूर्णता बचाव की वैक्सीन हेतु शोधकर्ता जुटे हुए हैं। लॉक डाउन का पालन करने, कराने, जरूरतमंदों के सहयोग हेतु भी हम सभी यथासंभव प्रयासरत हैं। लाकडाउन का प्रभाव मनुष्यों सहित पशु-पक्षियों, जीव, प्रकृति, पर्यावरण जलवायु पर भी दिखाई दे रहा है|

निश्चय ही इस विश्वव्यापी संक्रमण और दुष्प्रभाव के कारण, हम सभी, अब तक के सबसे लम्बे, लॉक डाउन के साक्षी है| इस दौरान हम सभी के अपने कडवे, खट्टे, मीठे अनुभव रहे है| लॉक डाउन के अनुभवों को लेखबद्ध करने, लेखन शैली को विकसित करने तथा सूचना संचार की प्रचलित ऑनलाइन पद्धतियों के उपयोग से सहज बनाने के उद्देश्य से महाविद्यालय के नियमित विद्यार्थियों के लिए लॉक डाउन के अनुभव साझा करने का अवसर प्रदान किया जा रहा है.

आप सबसे अनुरोध है कि लॉक डाउन के अपने अनुभव को लेख बध्ध कर महाविद्यालय को ऑनलाइन भेजे| जीवन के इन चुनौती पूर्ण दिनों को स्मृति रूप में मस्तिष्क के साथ लेख रूप में रखना भी आपके लिए लाभकारी होगा। आप सभी से अपेक्षा है कि लेखनी से अपने अनुभव लिखकर **केवल व्हात्सप्प या इमेल करे**| **स्वयं महाविद्यालय आकर जमा या डाक से प्रेषित कदापि न करे**| लेख की मूल प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

अनुभव लेखन हेतु कुछ सामान्य निर्देश निम्नानुसार हैं---

1. अनुभव लेखन हिंदी भाषा में, अधिकतम 1000 शब्दों में अर्थात 4 पेज A4 साइज में लिखें। प्रथम पेज में आप अपना नाम एवं कक्षा लिखे एवं सभी पेज में सुसंगत प्रष्ठ क्रमांक एवं अपना हस्ताक्षर करें। सभी हस्त लिखित प्रश्ठो को मोबाइल अथवा स्कैनर की सहायता से कॉपी कर निम्नानुसार व्हात्ट्स अप्प या इमेल करे|
2. अपने अनुभव को डा. सचदेव, विभागाध्यक्ष हिंदी विभाग के मोबाइल नंबर **99816 33869** पर व्हाट्सएप करें अथवा gmc.covidcompt@gmail.com पर ईमेल कर सकते हैं।
3. अपना अनुभव लेखन भेजने की अंतिम तिथि **10 मई 2020** तक है।
4. श्रेष्ठ, रोचक, प्रेरक, मौलिक अनुभव लेखनों को पुरस्कृत किया जाएगा।
5. लेख केवल उपरोक्तानुसार व्हात्सप्प या ईमेल पर ही स्वीकार्य होगा|
6. विद्यार्थी अपने नियमित अध्ययन पश्चात बचे हुए समय में ही अपने अनुभव लेखन का कार्य करें ताकि उनकी परीक्षाओं की तैय्यारी प्रभावित न हो| लेखन के सम्बन्ध में किसी भी तरह की अन्य जानकारी हेतु डा. राजकुमार सचदेव से उक्त मोबाइल पर संपर्क करें|

डा राजकुमार सचदेव
साहित्यिक एवं सांस्कृतिक समिती

डा. राजीव शंकर खेर
प्राचार्य